भर्ती प्रक्रिया

(1) परिवार के प्रमुख व्यक्ति को व्यसनमुक्ति प्रक्रिया संबंधी परामर्ष लेना जरूरी है ।

(2) परामर्ष के बाद सभी प्रकार की जानकारी फार्म भरकर पूरी फीस जमा करानी है। ब्लड रिपोर्ट आने पर बिमारी के अनुसार अधिक खर्चा भी तुरंत देना होगा।

(3) केन्द्र में बेड उपलब्ध होने पर ही नशापीड़ित को भरती किया जाएगा ।

(4) पेशेंट से मिलने या बात करने नही दी जाएगी केवल तीसरे या चौथे रविवार को सी.सी. टी.व्ही. से नशापीड़ित को दिखाया जाएगा ।

(5) नशापीड़ित के साथ निम्नलिखित सामग्री होना जरूरी है ।

(1) तीन बनियान व तीन ॲण्डर पॅन्ट निकर

(2) तीन ड्रेस शॅट पँट या पाजामा कुर्ता

(3) दो टॉवेल, दो बर्मूडा हॉफ पेन्ट

(4) 5 नहाने के व 5 कपड़े धोने के साबुन, शैम्पू

(5) निरमा या सर्फ वाशिंग पाऊडर 1 किलो.

(6) खोपरे का तेल 200 ग्राम तथा कंघी, स्लीपर की जोड़ी ।

(7) सर्दी के दिनों में गरम कपड़े तथा रजाई ।

(8) पानी पीने के लिए ग्लास व चाय के लिए फायबर मग ।

(9) आवश्यकता अनुसार बिस्किट, ब्रेड, नमकीन, ड्रायफ्रूट, आचार, शुद्ध घी इत्यादि ।

(10) नोट बुक द्ध200 पेजेसऋ तथा पेन ।

(11) मेडिकल चेकअप की फाइले तथा बिमारियों का इतिहास ।

(12) अत्यावश्यक बी.पी., डायबेटीस, साईकियाट्रीस्ट की दवाईयां इत्यादि ।

सद्भाव नशामुक्ति के खर्चे

01. प्रथम 35 दिन का सामान्य खर्चा वर्ष रू. 12000/–

02.द्वितीय 30 दिन का सामान्य खर्चा रू. 8000/–

03.तृतीय 30 दिन का सामान्य खर्चा रू. 7000/–

नशामुक्ति के अलावा अन्य बीमारियों का खर्चा

अ.क्रं.	दोष/आजार	प्रतिमाह खर्चा
01.	हेमोग्लोबिन कम होना	3000.00
02.	ई.एस.आर. बढ़ा है	3000.00
03.	टोटल बिलीरूबीन	5000.00
04.	अल्कोहोलीक हिपॅटायटीस	10000.00
05.	लिव्हर सिरव्होसिस.	10000.00
06.	असायटीस	10000.00
07.	ब्लड शुगर	3000.00
08.	बी.पी. द्धहाय/लोऋ	3000.00
09.	व्ही.डी.आर.एल./एच.आई.व्ही	5000.00
10.	साईकीयाट्रीक/साईकीलॉजीक ल	5000.00
11.	वजन कम होना – कूपोषण	5000.00

सभी खर्चे भर्ती के समय या एक सप्ताह के भीतर जमा करें ।

सद्भाव नशामुक्ति केन्द्र, जबलपुर

☞ ''सद्भाव'' एक मिशन है, जिसका उद्देश्य व्यसनमुक्त समाज निर्माण करना है । आज हम सभी नशे के बढ़ते कारोबार तथा युवा पीढ़ी के नशाखोरी से परेशान व चिंतीत है।

☞ सभी नशीली चीजें जीवन विरोध है, अर्थात् वे व्यक्ति, परिवार तथा समाज का विनाश करने में सक्षम है । नशापीड़ित व्यक्ति आत्मघाती, परिवार व समाज विरोधी आचरण करने लगता है । परिणाम स्वरूप समाज उसे हीन तथा घृणा के भाव से देखने लगता है । लेकिन नशा करना ही एक मानिसक बिमारी है, जिसका इलाज संभव है ।

☞ ''सद्भाव'' व्यसनमुक्त समाज निर्माण हेतु निम्नलिखित कार्य कर रहा है :–

(1) नशापीड़ितों का उपचार तथा पूर्नवास कार्य ।

(2) किशोर तथा युवाओं को व्यसन प्रतिबंधात्मक शिक्षा ।

(3) नशे के कारोबार को बंद कराने हेतु आम जनता को जागृत एवं संघटित करने का कार्य ।

(4) नशापीड़ितों के परिवार को शिक्षा, प्रशिक्षण एवं भावनात्मक सपोर्ट देने का कार्य ।